दिनांक : 28 जुलाई, 2024

कैम्पा वित्त-पोषित अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना (AICRP-17) के अंतर्गत एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

विषय: हिमाचल के मध्य-पर्वतीय क्षेत्रों में चारा अभाव अवधि में हरे चारे की आपूर्ति हेतु चारा बैंकों की स्थापना, उनका प्रबंधन एवं चारा संरक्षण विधि एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

स्थान: जुन्गा, शिमला, शिमला, हिमाचल प्रदेश
दिनांक: 28 जुलाई 2024
आयोजक: हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला, हिमाचल प्रदेश, 171013

"हिमालय के मध्य पर्वतीय क्षेत्रों में चारा अभाव अवधि में हरे चारे की आपूर्ति हेतु चारा बैंक की स्थापना, प्रबंधन एवं चारा संरक्षण विधि" पर कैंपा - पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना (AICRP - 17) के अंतर्गत एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन जुन्गा, शिमला में किया गया। जिसका प्रमुख उद्देश्य किसानों एवं पशुपालकों को चारा बैंक का महत्व व साइलेज बनाने की प्रक्रिया के बारे में अवगत कराना था इस कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के निदेशक डॉ० संदीप शर्मा द्वारा की गई। कार्यक्रम के शुरुआत में डॉ० संदीप शर्मा द्वारा इस प्रशिक्षण कर्यक्रम के महत्व बताते हुए सर्दियों के मौसम में पहाड़ी क्षेत्रों में होने वाले चारे की कमी के बारे में अवगत करवाया और साथ ही शुष्क मौसम में चारे की कमी को दूर करने के लिए चारा बैंक की भूमिका के बारे में जानकारी दी गयी। तत्पश्चात साइलेज बनाने की विधि पर डॉ० लाल सिंह, निदेशक- हिमालयन रिसर्च ग्रुप ने शुष्क मौसम के लिये चारा बैंक प्रबंधन, साईलेज विधि द्वारा चारा संरक्षण, साइलेज बनाने की प्रक्रिया, उनसे होने वाले लाभ और साइलेज की गुणवत्ता प्रभावित करने वाले कारकों पर चर्चा की गयी। इस मौके पर परियोजना के राष्ट्रीय परियोजना समन्वयक डॉ० दिनेश कुमार भी उपस्थित रहे तथा उन्होंने प्रशिक्षण कार्यक्रम में आये सभी प्रतिभागियों को साइलेज बनाने की विधि का चरण-दर-चरण प्रक्रिया का व्यवहारिक ज्ञान दिया। इस दौरान उन्होंने साइलेज बनाते समय किन-किन बातों का ध्यान रखना चाहिए इस पर भी चर्चा की। इस दौरान उन्होंने बताया कि साइलेज लगभग 45-60 दिन में बनकर तैयार हो जाता है तथा बनने के बाद इससे मीठी सी सुगंध आती है। इस कार्यक्रम पर संस्थान के विस्तार प्रमुख डॉ ० जगदीश सिंह भी मौजूद रहे। उन्होंने ग्रामीणों को इस कार्यक्रम से आजीविका उपार्जन की महत्ता को समझाया। साथ ही विस्तार प्रमुख ने संस्थान में होने वाली अन्य गतिविधियों व भविष्य में इस प्रकार के अन्य प्रशिक्षण कार्यक्रम के आयोजनों की जानकारी प्रदान की । चारा बैंक के महत्व पर परियोजना के सह प्रधान अन्वेषक डॉ० प्रवीन रावत ने

अपने अनुभव एवं विचार साजा किए। अंत में सभी ग्रामीणों को चाख़ड़ा, जुन्गा में AICRP-17 (All India coordinated Research Project on Fodder) परियोजना के अंतर्गत स्थापित चारा बैंक प्रदर्शन भूखंड का दौरा करवाया गया और सभी प्रतिभागियों से चारा बैंक स्थापित करने तथा इसके प्रबंधन के विषय में जानकारी साझा की गयी। अंत में संस्थान के वैज्ञानिक डॉ० प्रवीन रावत ने आयोजकों, वक्ताओं और प्रतिभागियों को उनके योगदान के लिए धन्यवाद दिया।

कैम्पा - पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली, द्वारा वित्त-पोषित
अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना (AICRP-17) के अंतर्गत
एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम
विषयः हिमाचल के मध्य-पर्वतीय क्षेत्रों में चारा अभाव अवधि में हरे चारे की
आपूर्ति हेतु चारा बैंक की स्थापना, उनका प्रबंधन एवं चारा संरक्षण विधि
दिनाँक : 28 जुलाई, 2024
स्थान : जुन्गा, शिमला (हि.प्र.)
आयोजक :
भा.वा.अ.शि.प. - हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला
कॉनिफ़र कैम्पस, पंथाघाटी, शिमला-171 013, हिमाचल प्रदेश